**भारत सरकार**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**
**मत्स्यपालन विभाग**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 2343**
**10 दिसंबर, 2024 को उत्तर के लिए**

**मछली उत्पादन और एक्सपो प्रतिस्पर्धा**

**2343. श्री हमदुल्ला सईद :**

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने मछली उत्पादन और एक्सपो प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ख) पीएमएमएसवाई के अंतर्गत विशेषकर मात्स्यिकी क्षेत्र में अवसंरचना विकास, प्रौद्योगिकी निवेश और मूल्य श्रृंखला आधुनिकीकरण के संबंध में ध्यान दिए जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है ?

**उत्तर**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री**
**(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)**

(क) से (ख): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार वित्तीय वर्ष 2020-21 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक 5 वर्ष की अवधि के लिए मात्स्यिकी क्षेत्र में 20050 करोड़ रुपए के निवेश के साथ भारत में मात्स्यिकी क्षेत्र में स्थायी और जिम्मेदार विकास के माध्यम से नीली क्रांति लाने की दृष्टि से "प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई)" नामक एक प्रमुख योजना को लागू कर रहा है। पीएमएमएसवाई अन्य बातों के साथ-साथ मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने, वैल्यू चैन को आधुनिक बनाने और मजबूत करने, मात्स्यिकी एवं पोस्ट-हार्वेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने और मजबूत मात्स्यिकी प्रबंधन और नियामक ढांचे को विकसित करने जैसे प्रमुख हस्तक्षेपों पर ध्यान देता है। पीएमएमएसवाई को राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य संस्थाओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। पीएमएमएसवाई के अंतर्गत, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने विगत चार वित्तीय वर्षों (वित्त वर्ष 2020-21 से 2023-24) और वर्तमान वित्तीय वर्ष (2024-25) के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य कार्यान्वयन एजेंसियों के मात्स्यिकी विकास परियोजनाओं को 8871.45 करोड़ रुपए के केंद्रीय अंश के साथ 20864.29 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इस योजना के अंतर्गत शुरू की गई प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर और वैल्यू चैन परियोजनाओं/गतिविधियों में शामिल हैं; 58 फिशिंग हार्बर/फिश लैंडिंग सेंटर प्रोजेक्ट्स, 634 आइस प्लांट्स/कोल्ड स्टोरेज, 20 मॉडर्न हॉलसेल मार्केट्स जिनमें 2 स्मार्ट हॉलसेल मार्केट्स, 202 रिटेल फिश मार्केट, 6694 मोबाइल फिश कियोस्क, मत्स्य परिवहन सुविधाओं की 27189 इकाइयां, 128 वैल्यू एडेड एंटरप्राइज़, मत्स्य और मात्स्यिकी उत्पादों के ई-ट्रेडिंग और ई-मार्केटिंग के लिए 5 ई-प्लेटफॉर्म। इसके अलावा, पीएमएमएसवाई प्रौद्योगिकी संचार के उद्देश्य से हस्तक्षेप को सहायता प्रदान करती है और इस संबंध में शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं/गतिविधियों में शामिल हैं; 12081 री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, 4205 बायोफ्लोक इकाइयां, 52,058 रिसर्वोयर केज और 5711 रेसवे ।

पीएमएमएसवाई ने अपने कार्यान्वयन अवधि के दौरान मात्स्यिकी और जलीय कृषि के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, विशेष रूप से (i) वार्षिक मत्स्य उत्पादन को 2019-20 में 141.64 लाख टन से बढ़ाकर 2022-23 में 175.45 लाख टन करना, (ii) मत्स्य निर्यात को 2019-20 में 46662.85 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2023-24 में 60524.89 करोड़ रुपए करना, (iii) प्रति व्यक्ति मत्स्य की खपत को 5-6 किलोग्राम से बढ़ाकर 12-13 किलोग्राम टन करना और (iv) जलीय कृषि उत्पादकता को 3 टन/हेक्टेयर से बढ़ाकर 4.7 टन प्रति हेक्टेयर करना।

*****